MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - VI

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 100**

विभाग 1 - गद्य

उ. 1. (क) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(8)**

(1) (i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

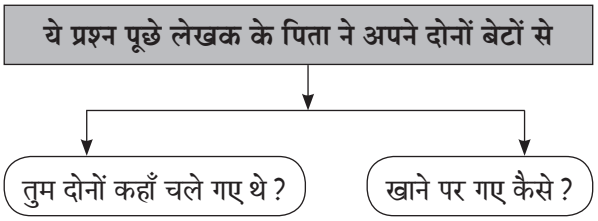

(ii) कृति पूर्ण कीजिए। **2**

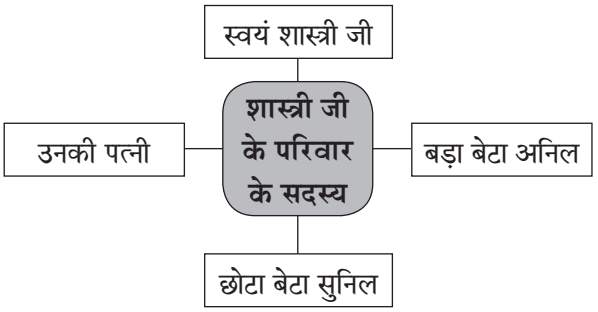

(2) **किसने, किससे कहा ?** **1**

(i) ड्राइवर ने लेखक के पिता जी से कहा।

(iii) लेखक के पिता जी ने ड्राइवर से पूछा।

(3) (i) (1) जल्दी - जल्दी (2) हाथ - मुँह **1**

(ii) (1) स्टेट गेस्ट (2) टेबल (3) एंट्री (4) गेट (5) इंपाला शेवरलेट **1**

(4) पिता का स्थान बच्चों के लिए सर्वश्रेष्ठ होता है। पिता अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देता है। वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देता है। उनमें मानवीय गुणों का संचार हो इसके लिए उन्हें स्कूल भेजता है। एक पिता बच्चों द्‌वारा हुई गलतियों को ठीक से समझकर उन्हें सुधरने का मौका देता है। अपने बच्चों से फिर से **2**

ऐसी गलती न हो इसके लिए उनके समक्ष स्वयं अच्छा आदर्श निर्माण करता है। वह अपने बच्चों को सच्चाई, नैतिकता, ईमानदारी आदि गुणों से अवगत कराता है। स्पष्ट है कि पिता अपने बच्चों द्‌वारा की गई गलती को सुधारने में उनकी मदद करता है।

उ. 1. (ख) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(8)**

(1) कृति पूर्ण कीजिए।

(i) **इसकी खुराक दे सकती हैं बहन महिलाओं को** **1**

- संगीत की
- भक्ति की
- प्रेमयुक्त सलाह की

(ii) **इस प्रकार का परिवर्तन होगा संस्था में** **1**

- संस्था की जमीन पर छोटे-छोटे मकान बनाए जाएँगे
- वहाँ पर महिलाएँ दो-दो, चार-चार का परिवार चलाएँगी

(2) (i) वाक्य पूर्ण कीजिए। **1**

(1) लेखक संस्था के बारे में तब आगे का विचार करेंगे **जब सरोज बहन उन्हें 'हाँ' कह दें।**

(2) बहन स्वयं संस्था के लिए निमित्तमात्र होगी **जब संस्था अपने आप चलेगी।**

(ii) ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए कि जिनके उत्तर निम्न शब्द हों। **1**

(1) लेखक सरोज को इस नाम से संबोधित करते थे ?

(2) समाज को किसकी आवश्यकता है ?

(3) (i) वचन बदलिए। **1**

(1) संस्था - संस्थाएँ (2) लता - लताएँ

(ii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। **1**

(1) संभव × असंभव (2) कुशल × अकुशल

(4) जब दो या दो से अधिक व्यक्ति मिलकर किसी एक उद्‌देश्य की प्राप्ति के लिए कार्यशील होते हैं तो संस्था की आवश्यकता पड़ती है। संस्था एक गतिशील क्रियात्मक प्रक्रिया है। संस्थाएँ अनेक प्रकार की होती हैं। जैसे सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, व्यावसायिक या वैज्ञानिक। संस्थाएँ व्यक्ति विकास को बढ़ावा देती हैं। संस्थाएँ लोगों के बीच समन्वय स्थापित करती हैं। संस्था के माध्यम से **2**

रचनात्मक विचारधारा को प्रोत्साहन मिलता है। एक समाज में इस प्रकार की कई संस्थाएँ होती हैं। इन संस्थाओं का समाज के साथ गहरा संबंध होता है क्योंकि वे समाज का प्रमुख अंग होती हैं। समाज में घटित क्रियाओं का संस्थाओं के कार्य पर प्रभाव पड़ता है। समाज की रीतिनुसार संस्था का कार्य आगे बढ़ता है। इस प्रकार संस्था व समाज का आपस में संबंध होता है।

उ.1. (ग) अपठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

(1) उत्तर लिखिए। **2**

(i) भ्रष्टाचार से।

(ii) विशुद्ध दूध बेचने से।

(iii) दस सेर।

(iv) भ्रष्टाचार के।

(2) (i) **समझकर लिखिए।** **1**

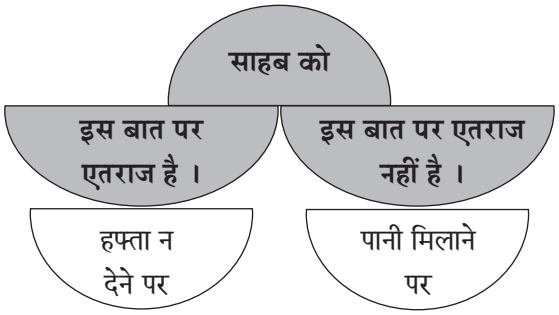

(ii) सही पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए। **1**

(1) फूड इंस्पेक्टर तब सैंपल की बोतल भर लेता **जब किसी ग्वाले के दूध में पानी होता।**

(2) पानी तो मिलाया ही कर वरना **तू क्या खाएगा और हम क्या खाएँगे ?**

(3) (i) **लिंग बदलिए ।** **1**

(1) ग्वाला - ग्वालिन (2) मालिक - मालकिन

(ii) **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायी शब्द लिखिए।** **1**

(1) देहात - गाँव (2) कचहरी - अदालत

(4) दूध में पानी मिलाना अच्छी बात नहीं होती है। यह तो एक प्रकार का भ्रष्टाचार है। दूध में पानी मिलाकर यदि कोई पैसा कमा रहा है, तो यह कानून की नजर में गुनाह है। ऐसा आदमी दूध में पानी मिलाकर अपने ही देश बंधुओं के साथ नाइंसाफी कर रहा है। दूध हमारी संस्कृति में पवित्र माना जाता है और उसमें ही पानी मिलाकर हम अपनी सभ्यता एवं सदाचार को सदा के लिए मिटा रहे हैं। अत: हमें दूध में पानी नहीं मिलाना चाहिए। **2**

विभाग 2 - पद्य

उ.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

(1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए। **2**

छापा मारनेवालो में आया परिवर्तन

↓

बीस सूची हृदय में रौद्र की जगह करुण रस समाना

↓

क्षमा माँगना

↓

अपनी असफलता पर पछताना

↓

सिर झुकाकर वापिस जाना

(2) (i) **ऐसे प्रश्न बनाइए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों-** **1**

(1) पद्यांश में प्रयुक्त एक साधन, जिस पर बैठा जाता है ?

(2) छापामार किस पर मन ही मन पछताने लगे ?

(ii) **समझकर वाक्य पूर्ण कीजिए।** **1**

जिनके घर में सोने चाँदी के पलंग व सोफे होते हैं

↓

उन्हें छापामार निकलवा लेते हैं।

(3) निम्नलिखित पद्यांशों का भावार्थ लिखिए। **2**

'छापा' इस कविता के कवि श्री ओमप्रकाश हैं। उनके घर पर आयकर विभाग का बहुत बड़ा छापा पड़ा। उन्होंने कवि के घर की पूरी तरह से छान-बीन की; परंतु उन्हें कुछ भी न मिला। इसलिए उन्होंने कवि से माफी माँगते हुए कहा कि किसी ने उन्हें गलत सूचना दे दी थी। अपनी असफलता पर वे मन ही मन पछता भी रहे थे। आखिर में वे अपना सिर झुकाकर वापिस जाने लगे तो कवि ने उन्हें जाने से रोका और कहा, ''आप अब अपना सिर मत धुनिए। मैं जो कह रहा हूँ उस बात की ओर ध्यान दीजिए। यदि आपको मेरे घर पर अधिक धन मिलता, तो आप ले जाते लेकिन आप लोगों को मेरे घर पर कुछ नहीं मिला। इसलिए आप लोग अब मुझे कुछ न कुछ तो देकर जाइए।''

उ. 2. (छ) निम्न मुद्दों के आधार पर निम्न कविता का पद्य विश्लेषण कीजिए: **(6)**

(i) **अपनी गंध नहीं बेचूँगा**

(1) **रचनाकार का नाम**: बालकवि बैरागी **1**

(2) **रचना का प्रकार** : गीत **1**

(3) **पसंदीदा पंक्ति** : बिकने से बेहतर मर जाऊँ अपनी माटी में झर जाऊँ **1**
मन ने तन पर लगा दिया जो वो प्रतिबंध नहीं बेचूँगा।

	(4) **पसंदीदा होने का कारण**: उपर्युक्त पंक्ति में फूल अपने स्वाभिमान और सम्मान के लिए मर जाना और मरकर मिट्टी में झर जाना अधिक पसंद करता है। वह इस निर्णय पर किसी भी कीमत पर अडिग रहना चाहता है। यदि व्यक्ति में सम्मान और स्वाभिमान की भावना न हो तो उसका जीवन निरर्थक होता है।	**2**
	(5) **कविता से प्राप्त संदेश या प्रेरणा**: स्वाभिमान ही जीवन है। स्वाभिमान के बिना जीवन निरर्थक होता है। स्वाभिमान से व्यक्ति की सम्मान व प्रतिष्ठा बनी रहती है।	**1**
	अथवा	
(ii)	**भारत महिमा**	
	(1) **रचनाकार का नाम** : जयशंकर प्रसाद	**1**
	(2) **रचना का प्रकार** : छायावादी आधुनिक काव्य	**1**
	(3) **पसंदीदा पंक्ति** : हिमालय के आँगन में उसे, किरणों का दे उपहार; उषा ने अभिनंदन किया, और पहनाया हीरक हार।	**1**
	(4) **पसंदीदा होने का कारण** : सूर्योदय होने से कुछ पल पहले उषा रूपी किरणों का हिमालय के आँगन में आगमन हुआ। भारत देश में उदित होने वाली उषा अपने साथ सुनहरी किरणों को लेकर आई। मानो वह भारत का अभिनंदन कर उसे हीरों का हार पहना रही हो। इसमें कवि ने मानवीकरण अलंकार के माध्यम से भारत की प्राकृतिक सुषमा का जो मनोहारी वर्णन किया है, वह अद्‌भुत व अतुलनीय है। अत: यह पंक्तियाँ मुझे अत्यंत प्रिय हैं।	**2**
	(5) **रचना से प्राप्त संदेश** : इस कविता से हमें यह संदेश प्राप्त होता है कि हमें अपने अतीत के गौरवशाली इतिहास को कभी नहीं भूलना चाहिए। हमें अपने देश पर गर्व होना चाहिए और इस पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।	**1**
	अथवा	
(iii)	**समता की ओर**	
	(1) **कविता के कवि/रचनाकार का नाम** : कवि मुकुटधर पांडेय	**1**
	(2) **काव्य प्रकार** : छायावादी काव्य	**1**
	(3) **पसंदीदा पंक्ति** : हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा, भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा।	**1**

	(4) **पसंदीदा होने का कारण** : प्रस्तुत पंक्तियाँ समाज में अमीर भाइयों को गरीब भाइयों की भलाई के बारे में विचार करने के लिए प्रवृत्त करती है। इन पंक्तियों में समाज से अमीरी-गरीबी का भेदभाव दूर करके समता स्थापित करने की बात बताई गई है। इसलिए प्रस्तुत पंक्तियाँ मुझे बेहद पसंद हैं।	**2**
	(5) कविता से प्राप्त संदेश : विश्व-बंधुत्व जैसी मानवीय भावना को अपनाकर एक-दूसरे के साथ बंधुत्व का व्यवहार करना।	**1**
उ. **2.**	**(ज) अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	**(6)**
(1)	**उत्तर लिखिए।** (i) स्नेह (ii) प्यार	**2**
(2)	**आकृति में उत्तर लिखिए।** (i) अच्छा प्रयत्न यही है - जो गिरे हुए को उठा सके। (ii) यही अधोगति है - जो प्यार से किसी को उठा न पाए।	**2**
(3)	**पद्यांश की तीसरी और चौथी पंक्ति का संदेश लिखिए।** कवि भवानी प्रसाद मिश्र प्रेम की श्रेष्ठता प्रतिपादित करते हुए कहते हैं कि प्रेम द्वारा असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है। हमारे जीवन में यदि अंधकार और नकारात्मक भाव हो, तो प्रेम के द्वारा उसे प्रकाशित किया जा सकता है। सकारात्मकता का भाव जाग सकता है। उसी प्रकार बाहरी समाज में निहित द्वेष, ईर्ष्या व नकारात्मकता को प्रेम के द्वारा सद्मार्ग पर लाया जा सकता है। कवि के मतानुसार प्रेम जीवन में सरलता, सहृदयता व मानवता का प्रतीक है।	**2**
	विभाग 3 - पूरक पठन	
उ.**3.**	**(अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।**	**(4)**
(1)	**(i) उपर्युक्त गद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों -** (1) काकी ने किसे अपनी गोद में बिठाया ? (2) काकी क्या देखकर प्रसन्न हुई ?	**1**
	(ii) कारण लिखिए। (1) क्योंकि उसे काकी को पूड़ियाँ खिलानी थीं। (2) लाड़ली का हृदय ऐंठकर रह गया।	**1**
(2)	**''मंजिलें उन्हीं को ही मिलती है** **जिनके सपनों में जान होती है।** **पंख से कुछ नहीं होता** **हौसलों से उड़ान होती है।''**	**2**

सचमुच जीवन में यदि सफल बनना है तो व्यक्ति को जिद, लगन एवं मेहनत करनी होगी। व्यक्ति के पास जिद का होना अत्यावश्यक होता है। व्यक्ति को कुछ बनने की जिद, लगन की ओर ले जाती है। व्यक्ति अपनी मंजिल पाने के लिए कड़ी मेहनत करना शुरू कर देता है। आहिस्ता-आहिस्ता उसकी मेहनत रंग लाती है और वह अपना मनचाहा ध्येय प्राप्त कर लेता है। दुनिया में जो भी सफल महापुरुष हुए हैं, उन्होंने भी अपने जीवन में जिद, लगन, मेहनत एवं अभ्यास को महत्व दिया था। इसी कारण ही वे सफलता की मंजिल हासिल कर सकें। इसलिए व्यक्ति को जिद, लगन एवं मेहनत के साथ अपनी लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए।

उ.3. (आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

(1) (i) वर्गीकरण कीजिए। **1**

ऐतिहासिक	पौराणिक
जयमल	ध्रुव, प्रह्लाद, भरत

(ii) विशेषताओं के आधार पर पहचानिए। **1**

(1) प्रह्लाद (2) जयमल

(2) **2**

''मंजिलें उन्हीं को ही मिलती है
जिनके सपनों में जान होती है।
पंख से कुछ नहीं होता
हौसलों से उड़ान होती है।''

सचमुच जीवन में यदि सफल बनना है तो व्यक्ति को जिद, लगन एवं मेहनत करनी होगी। व्यक्ति के पास जिद का होना अत्यावश्यक होता है। व्यक्ति को कुछ बनने की जिद, लगन की ओर ले जाती है। व्यक्ति अपनी मंजिल पाने के लिए कड़ी मेहनत करना शुरू कर देता है। आहिस्ता-आहिस्ता उसकी मेहनत रंग लाती है और वह अपना मनचाहा ध्येय प्राप्त कर लेता है। दुनिया में जो भी सफल महापुरुष हुए हैं, उन्होंने भी अपने जीवन में जिद, लगन, मेहनत एवं अभ्यास को महत्व दिया था। इसी कारण ही वे सफलता की मंजिल हासिल कर सकें। इसलिए व्यक्ति को जिद, लगन एवं मेहनत के साथ अपनी लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए।

विभाग 4 - व्याकरण

उ.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(18)**

(1) (i) निम्नलिखित वाक्यों में आए हुए संज्ञा शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए। **1**

गोवा : व्यक्तिवाचक संज्ञा **तरंगायित** : भाववाचक संज्ञा

(ii) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों में उचित सर्वनामोंका प्रयोग कीजिए। **1**

आप सार्वजनिक अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में हैं।

(2) (i) **निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **1**

वाह-वाह! : विस्मयादिबोधक अव्यय

(ii) **निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** **1**

क्योंकि : समुच्चयबोधक अव्यय :।

वाक्य - वह दुखी है क्योंकि वह गिर गया ।

(3) **कालपरिवर्तन कीजिए।**

(i) सरकार एक ही टैक्स लगाएगी। **1**

(ii) आप इतनी देर से नाप-तौल कर रहे हैं। **1**

(4) **तालिका पूर्ण लिखिए ।** **2**

संधि	संधि-विच्छेद	भेद
दिग्गज	दिक् + गज	व्यंजन संधि
संतोष	सम् + तोष	व्यंजन संधि

(5) (i) **अर्थ के आधार पर निम्न वाक्यों के भेद पहचानिए।** **1**

सरल वाक्य

(ii) **सूचना के अनुसार निम्न वाक्य का प्रकार बदलिए** **1**

तुम अपना ख्याल रखो।

(6) (i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **1**

गुजर-बसर करना : आजीविका चलाना

वाक्य - रामू मजदूरी करके अपने परिवार का **गुजर-बसर करता था**।

(ii) **निम्न वाक्य में अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

सार्वजनिक अस्पताल का खयाल आते ही मैं **काँप उठा।**

(7) **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए।** **1**

(i) करामत अली गाय अपने घर लाया।

(ii) मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ।

(8) **निम्न वाक्य में से मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए।** **1**

मुख्य क्रिया - रुठना सहायक क्रिया - गई (जाना)

(9) **निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए।** **1**

अ.क्र	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
(i)	बेचना	बिकाना	बिकवाना
(ii)	कहना	कहलाना	कहलवाना

(10) **निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुन: लिखिए।** **1**

''बड़ी बेटी ने ससुराल से संवाद भेजा है, उसकी ननद रूठी हुई है, मोथी की शीतलपाटी के लिए।''

(11) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक चिह्नों से कीजिए और कारक का नाम लिखिए।** **1**

उन्हें पुस्तक ले आने **के लिए** कहा।

के लिए - संप्रदान कारक

विभाग 5 - रचना विभाग (32)

उ.5. **5**

(i) दिनांक : १ मार्च, २०१८

सेवा में,

व्यवस्थापक

आयुर्वेदिक औषधि भंडार,

नागपुर।

विषय : आयुर्वेदिक औषधि की माँग हेतु निवेदन पत्र

महोदय,

मैं विजय मोहिते समय-समय पर आपसे आयुर्वेदिक औषधियाँ मँगवाता आ रहा हूँ। उन औषधियों के सेवन से मुझे बहुत आराम मिला है। अत: इस बार भी मुझे निम्न आयुर्वेदिक औषधियों की आवश्यकता है :

आयुर्वेदिक औषधि	मात्रा
झण्डू च्यवनप्राश	५०० ग्राम के दो डिब्बे
झण्डू पाचक रस	५०० मिली ली. की तीन शीशी
हिमालय पीड़ाहारी बाम	५० ग्राम की दो शीशियाँ
हिमालय तेज कांति चूर्ण	५०० ग्राम की तीन बोतलें
हिमालय शक्तिवर्धक रस	५०० मिली ली. की चार बोतलें
द्राक्षासव	५०० मिली ली. की चार बोतलें
कायम चूर्ण	५०० ग्राम की दो बोतलें

कृपा करके उपर्युक्त औषधियाँ जल्द-से-जल्द कुरिअर द्वारा भेजने की व्यवस्था करें। जैसे ही औषधियाँ प्राप्त हो जाएँगी वैसे ही बकाया रकम आपके पास भेज दी जाएगी। अग्रिम राशि के तौर पर १००० रूपए का पोस्टल ऑर्डर भेज रहा हूँ। आशा है कि आप जल्द-से-जल्द औषधियाँ भेजेंगे।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ।

धन्यवाद!

भवदीय,
विजय मोहिते।

वरदा सोसायटी,
विजयनगर,
जालना।
ई-मेल आईडी : vijay123@gmail.com

अथवा

(ii) १० मई, २०१८ **5**

प्रिय मित्र राम,

सप्रेम नमस्ते।

कल ही मैंने समाचार पत्र में पढ़ा कि तुम्हें वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला है। यह बहुत ही गर्व की बात है इसलिए तुम्हारा अभिनंदन करने के लिए मैं यह पत्र लिख रहा हूँ। राम तुम बचपन से ही भाषण-कला में निपुण रहे हो। तुम्हारे पास किसी भी विषय पर खुलकर बात करने का कौशल है। तुम वाचन-कौशल में भी निपुण हो। इसी कारण किसी भी विषय पर तुम अपने विचार व्यक्त कर सकते हो। मेरे परिवार वालों ने भी तुम्हारा अभिनंदन किया है।

राम तुम मेरे मित्र हो, इस बात का मुझे बहुत गर्व है। जल्द ही छुट्टियाँ शुरू होने वाली हैं, तब मैं तुमसे भाषण कला के कौशल सीखने वाला हूँ। आशा करता हूँ कि तुम छुट्टियों में मेरे घर अवश्य आओगे।

तुम्हारा प्रिय मित्र,

कुमार राजेश मेहता
२०२, हरि निवास, गांधी नगर,
मुंबई - ४०० १०४.
ई-मेल आई डी : rajesh45@gmail.com

(2) (i) श्री. सी. वी. रामन ने कौन-से क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का सिक्का देश-विदेश में जमा लिया था ? **5**
(ii) ध्वनि के संबंध में कुछ प्रयोग कौन कर रहा था ?
(iii) रामन का साथी अपनी कठिनाइयाँ लेकर किसके पास गया ?
(iv) रामन का साथी जोन्स साहब के पास क्यों गया ?
(v) रामन की प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा किसने की ?

उ.6.

(1) **वृत्तांत लेखन ।** **5**

अपने विद्यालय में मनाए गए किसी समारोह का वृत्तांत

दिनांक १५ सितंबर २०१७ मुंबई: शारदा विद्यालय, मुंबई में दिनांक १४ सितंबर २०१७ के दिन सुबह ९:०० बजे बाल-दिवस के अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य जी ने छात्रों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। सुबह ठीक ९ बजे विद्यालय के सभागार में समारोह की शुरुआत हुई। सर्वप्रथम प्रधानाचार्य श्री. राजेश शिंदे जी ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पश्चात विद्यालय की कुछ महिला अध्यापिकाओं ने नृत्य प्रस्तुत कर सभी छात्रों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे ही नृत्य खत्म हुआ वैसे ही छात्रों के लिए कई प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। खेल खेलते समय छात्रों का उत्साह देखने लायक था। सभी छात्रों ने बाल–दिवस के अवसर पर विद्यालय में उपस्थित सभी शिक्षकों को धन्यवाद दिए। इस प्रकार १ बजे समारोह खत्म हुआ।

(2) **निम्न मुद्दों के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए।** **5**

चाहिए ..... चाहिए ..... चाहिए .....

दादर सेंट्रल के डिपार्टमेंटल स्टोर के लिए
सेल्स के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

शैक्षणिक पात्रता	**आयु सीमा**	**आवश्यक कागजात**
स्नातक	२१ से २५ तक	आधार कार्ड व पैन कार्ड कॉपी

❖ कार्य करने की कालावधि ❖

सुबह : ९ बजे से ३ बजे तक

या

दोपहर ३ बजे से रात १० बजे तक

❖ संपर्क ❖

प्रबंधक : डिपार्टमेंटल स्टोर
दादर सेंट्रल
मुंबई : ४०० ०२०

मोबाइल नंबर : ९९८७६५४३२
ई-मेल आई. डी. : deptdadar91@gmail.com

(3) रामू एक छोटा बच्चा था। वह बड़ा ही प्यारा था। उसे पशु-पक्षियों से अपार प्रेम था। उसके पास कुत्ता व बिल्ली थी। वह उनका बहुत ही अच्छे से ख्याल रखता था। उसके घर के आँगन में आम का एक पेड़ था। उस पर कई पक्षी रहते थे। रामू के कक्ष में एक अलमारी थी, उस पर एक खग दंपत्ति ने अपना घोंसला भी बनाया था। रामू उन्हें पर्याप्त मात्रा में खाने के लिए अनाज के दाने देता था। उसी पेड़ पर एक गिलहरी भी रहती थी। उसके शरीर पर झब्बेदार बाल थे। वह बहुत ही सुंदर दिखती थी। गिलहरी पेड़ से **5**

नीचे उतरकर आँगन में आती व पक्षियों के साथ अनाज के दाने बड़े मजे से खाती थी।

एक दिन राजू की मम्मी ने चावल के पापड़ बनाकर घर के आँगन में सूखने के लिए रखे थे। काजू एवं चावल के पापड़ गिलहरी का स्वादिष्ट व्यंजन होता है। इस बात का पता राजू को नहीं था। जैसे ही गिलहरी ने चावल के पापड़ देखे, वैसे ही वह उन्हें खाने के लिए आँगन में आई। वह पापड़ों को बड़े ही प्यार से कुतर-कुतरकर खा रही थी। राजू के बड़े भाई ने जैसे ही गिलहरी को पापड़ खाते हुए देखा, तो वह बहुत क्रोधित हुआ और गिलहरी को मारने के लिए तपाक से आगे आया। राजू भी वहीं पर उपस्थित था। उसे अपने बड़े भाई का यह आचरण अच्छा नहीं लगा। उसने अपने भाई को ऐसा करने से रोका। फिर भी, उसका भाई नहीं माना। वह गिलहरी को लाठी से मारने ही वाला था, तब राजू ने बड़े भाई के हाथ से लाठी छीन ली। बड़े भैया को राजू की उद्दंडता रास नहीं आई। वह गिलहरी को छोड़कर राजू पर ही बरसने लगा। इतने में राजू की दादी वहाँ पर आई और उसने राजू के बड़े भाई को समझाते हुए कहा, ''पशु-पक्षियों पर दया करना एवं उनका संरक्षण करना प्रत्येक मानव का कर्तव्य होता है।''

दादी की बात सुनकर बड़े भाई का गुस्सा शांत हो गया और वह भी राजू के साथ गिलहरी को बड़े प्यार से चावल के पापड़ खाते हुए देखने लगा...।

(4) (i) **जल है तो कल है।** **7**

जल ही जीवन है। जल मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग है। अन्न के बिना व्यक्ति १५ से ३० दिनों तक जीवित रह सकता है लेकिन जल के बिना व्यक्ति ३ से ४ दिन से ज्यादा जीवित नहीं रह सकता। जल के बिना धरती पर मानवीय जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

प्रकृति एवं प्राणियों को भी जीवन जीने के लिए जल की आवश्यकता होती है। खेती, उद्योग आदि के लिए भी जल की आवश्यकता होती है। घर बनाने से लेकर मोटर गाड़ी चलाने तक सभी चीजों में जल की आवश्यक होती है। वर्तमान युग में जनसंख्या वृद्धि बहुत तेज गति से हो रही है। धरती पर प्रदूषण बढ़ रहा है। जल के प्राकृतिक स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। पानी की मात्रा में कमी हो रही है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो एक दिन लोगों को पीने के लिए पानी भी नहीं मिलेगा। इससे लोगों का जीवन संकट में पड़ जाएगा। देश के कई भागों में ठीक से वर्षा नहीं हो रही है। इस कारण अकाल की स्थिति निर्माण होती है। ऐसे में खेती के लिए जरूरी पानी नहीं मिल पाता और इससे फसल की उपज काफी कम होती है। इस कारण अनाज के दामों में वृद्धि हो रही है।

जल है तो कल है। जल के कारण लोग घर का सारा काम कर सकते हैं। खाना बना सकते हैं और कपड़े धो सकते हैं। स्नान कर सकते हैं और पेड़-पौधों को पानी दे सकते हैं। अगर जल को यूँ ही बर्बाद किया गया तो वह दिन दूर नहीं है जब पीने के पानी के लिए लोग आपस में लड़ेंगे। यदि पानी की कमी हुई तो वह काफी महँगे दामों में बिकेगा।

ध्यान रहे कि जल व्यक्ति-जीवन के प्रत्येक पल में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए उसकी बचत करना बहुत ही आवश्यक है।

अथवा

(ii) **'संदेश वहन के आधुनिक साधनों से लाभ-हानि'** **7**

संदेश वहन मानव की प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण है। इस दुनिया के एक देश में बैठे लोगों को दूसरे देशों से जोड़ता है। आज मानव सभ्यता प्रगति की ओर अग्रसर है। इसका मुख्य श्रेय संदेश वहन के आधुनिक साधनों को ही जाता है।

ई-मेल, दूरभाष, ट्विटर, फैक्स, फेसबुक मैसेज, व्हॉटसएप, ये संदेश वहन के आधुनिक साधन हैं। इनके माध्यम से दो या दो से अधिक व्यक्ति एक-दूसरे से मीलों दूर रहकर भी आपस में बातचीत और संदेशों का आदान-प्रदान कर सकता हैं। इतना ही नहीं वे एक-दूसरे को स्क्रीन पर प्रत्यक्ष देख भी सकते हैं। फैक्स मशीनों के द्वारा कागज पर लिखकर दूसरे देश में बैठे व्यक्ति को संदेश भेजा जा सकता है। ई-मेल को फैक्स का उत्तम रूप माना जा सकता है। संदेश वहन के साधनों के कारण सभी देशों का आपसी संपर्क बढ़ गया है। आज व्यापार से संबंधित कार्य संदेशवहन के कारण घर या कार्यालय में बैठे-बैठे संपन्न किए जा सकते हैं।

संदेश वहन के जिस प्रकार कुछ लाभ हैं वैसी ही कुछ हानियाँ भी हैं। कोई-कोई लोग दिन-रात ई-मेल, मोबाइल, ट्विटर, फैक्स, फेसबुक मैसेज, व्हाटसएप का इस्तेमाल करते हैं; जिससे उनकी आँखों की रोशनी कमजोर हो जाती है। इस रोग से महीनों तथा वर्षों तक छुटकारा नहीं मिल पाता। संदेश वहन के साधनों का लगातार इस्तेमाल करने से व्यक्ति मानसिक तनाव का शिकार हो जाता है। जिससे व्यक्ति का स्वास्थ्य घातक रूप से प्रभावित होता है।

❖❖❖